अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि

अध्याय तृतीय
शोध प्रविधि

अनुसंधान में निश्चित और सही दिशा की ओर अग्रसर होने के उद्देश्य से यह आवश्यक होता है। कि शोध प्रबंध की व्यवस्थित रूप रेखा तैयार की जाये। यह रूपरेखा शोध कार्य में निश्चित दिशा प्रदान करती है। न्यादर्श चयन की शोधकार्य में विशेष भूमिका होती है इसके पश्चात उपकरणों एवं तकनीक का चयन महत्वपूर्ण है। क्योंकि इसी के आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है। साथ ही उपयुक्त सांख्यिकीय विधि के माध्यम से प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर निष्कर्ष ज्ञात किया जाता है।

पी.वी. युंग के अनुसार

"अनुसंधान एक ऐसी व्यवस्थित प्रक्रिया है। जिसके द्वारा नवीन तथ्यों की खोज तथा प्राचीन तथ्यों की पुष्टि की जाती है।"

3.1 न्यादर्श का चयन

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के चयन हेतु नागपुर जिले के दक्षिण नागपुर क्षेत्र स्थित प्राथमिक शालाओं में से 11 शालाओं का यादच्छिक चयन विधि द्वारा किया गया। चयनित शालाओं में 5 शासकीय शालाए एवं 6 अशासकीय शालाओं का समावेश किया गया उपरोक्त 11 शालाओं में कार्यरत कुल 108 शिक्षकों में 73 शिक्षिकाएँ एंव 35 शिक्षक थे।

प्राथमिक शालाओं में कार्यरत 108 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को यादच्छिक संख्या की तालिका का उपयोग करते हुये उसी अनुपात में 32 शिक्षिकाओं तथा 18 शिक्षकों का चयन किया गया जो प्रस्तुत अध्ययन के न्यादर्श थे। इसी प्रकार कुल 50 प्राथमिक शिक्षकों के माध्यम से उनके शिक्षक परिपक्वता एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव संबंधी आंकड़े एकत्र किये गये।

तालिका क्र. 3.1

न्यादर्श का विवरण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्श शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की सूची

अ.क्र.	शालाओं के नाम	शाला का प्रकार	चयनित शिक्षक/ शिक्षिकाओं की संख्या
1.	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर प्राथमिक शाला, उंटखाना, नागपुर	शासकीय	5
2.	इंदिरा गांधी प्राथमिक शाला इंदिरा नगर, नागपुर	शासकीय	5
3.	रेल्वे मॅन्स प्राथमिक शाला अजनी, नागपुर	शासकीय	4
4.	आदर्श प्राथमिक विद्यालय विश्वकर्मा नगर, नागपुर	शासकीय	4
5.	प्रबोधन प्राथमिक शाला जाटतरोडी, नागपुर	शासकीय	4
6.	मिलिंद प्राथमिक शाला उंटखाना, नागपुर	अशासकीय	5
7.	सेन्ट अन्तोनि प्रायमरी स्कूल अजनी, नागपुर	अशासकीय	5
8.	पंडित बच्छराज प्राथमिक शाला राजाबाक्षा, नागपुर	अशासकीय	5
9.	जीवन शिक्षण प्राथमिक विद्यालय चंदन नगर, नागपुर	अशासकीय	5
10.	सरस्वती शिशु मंदिर हनुमान नगर, नागपुर	अशासकीय	4
11.	शांति निकेतन प्राथमिक शाला हनुमान नगर, नागपुर	अशासकीय	4
			50

3.2 शोध में प्रयुक्त चर

स्वतंत्र चर — शैक्षिक परिपक्वता

आश्रित चर — कार्यों से उत्पन्न तनाव

3.3 प्रदत्तों के संकलन में प्रयुक्त उपकरण एवं प्रविधि

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के संकलन हेतु दो उपकरणों का प्रयोग किया गया।

- **शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली**

न्यादर्श में सम्मिलित 50 प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता संबंधी मापन हेतु इस चर (शैक्षिक परिपक्वता) को पांच घटकों में विभक्त किया गया यह घटक निम्नांकित है।

1. शिक्षक की शैक्षिक योग्यता
2. शिक्षक की व्यावसायिक योग्यता
3. अध्यापन के क्षेत्र में अनुभव
4. शिक्षक द्वारा किये गये अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम
5. विविध

इन पांच घटकों के आधार पर शैक्षिक परिपक्वता ज्ञात करने के लिए प्रश्नावली का निर्माण किया गया जिसके अंतर्गत प्रत्येक घटक से 4–4 प्रश्न शामिल किये गये इस तरह कुल 20 प्रश्नों की प्रश्नावली निर्मित की गई निर्मित प्रश्नावली का दो विषय विशेषज्ञों से चर्चा की गई तदोपरांत विशेषज्ञों के सुझाव को ध्यान में रखते 6 प्रश्न कम किये गये एवं 3 प्रश्नों का स्वरूप बदला गया इस प्रकार प्राप्त 14 प्रश्नों की प्रश्नावली बनाई गई।

(1) शिक्षक की शैक्षिक योग्यता के लिये उच्चमाध्यमिक शालाएँ बोर्ड परीक्षा उर्त्तीण होना निर्धारित किया गया तथा उससे अधिकतम शैक्षिक योग्यता के लिए 1 अंक अतिरिक्त जोड़ा गया।

(2) शिक्षक की व्यवसायिक योग्यता के लिए डी.एड. प्रशिक्षण निर्धारित किया गया तथा उससे अधिकतम योग्यता के लिए 1 अतिरिक्त अंक स्कोरिंग किया गया।

(3) अध्यापन के क्षेत्र में अनुभव के लिये शिक्षक अध्ययन के क्षेत्र में जितने पूर्ण वर्षो का अनुभव है उतने अंक उसे दिये गये।

(4) प्राथमिक शिक्षक द्वारा पूर्ण किये गये पुनश्चर्या कार्यक्रमों एवं अभिविन्यास कार्यक्रमों में सहभाग किया है उनकी संख्या के आधार पर प्रत्येक के लिए 1 एक अंक दिया गया वे ही पूर्णश्चर्या कार्यक्रमों को मान्यता दी गई जिनकी अवधि कम से कम 5 दिवस थी।

(5) विविध प्रश्नों के अंतर्गत पूछे गये प्रश्नों के सकारात्मक उत्तर होने पर 1 अंक तथा उत्तर नकारात्मक होने पर शून्य अंक निर्धारित किया गया।

- **कार्यों से उत्पन्न तनाव**

प्राथमिक शिक्षकों में शैक्षिक कार्यो से उत्पन्न तनाव के मापन हेतु तीन बिंदु अनुमतांक मापनी का उपयोग किया गया। "आक्युपेशन स्ट्रेस इन्डेक्स" जिसे **डॉ. श्रीवास्तव एवं सिंह*** (1990) द्वारा निर्मित किया गया था जो अभियांत्रिक शिक्षकों के लिए बनाया गया था उसको नवनिर्मित (**Modify**) कर 52 प्रश्नों की एक अनुभतांक मापन सूची तैयार की गई उपरोक्त प्रश्न सूचि में दो प्रकार के प्रश्न धनात्मक एवं ऋणात्मक कथनों को सम्मिलित किया गया प्रत्येक कथन के लिए तीन विकल्प दिये गये इन प्रश्नावली का एक छोटे समूह पर प्रयोगात्मक अध्ययन किया गया इस समूह से प्राप्त प्रति उत्तरों के आधार पर उपरोक्त प्रश्नावली को पुनः संशोधित कर अंतरिम रूप दिया गया।

* Department of Pshyology (B.H.U.)

3.4 प्रदत्तों का संकलन

प्रदत्तों के संकलन हेतु संबंधित शालाओं के प्रधानाध्यापकों (प्राचार्यो) से अनुमति लेकर न्यादर्श में सम्मिलित 11 विद्यालयों के 50 शिक्षकों को उनके ही शाला के शिक्षक कक्ष में मध्यांतर के समय एकत्रित होने का आग्रह किया गया। शोध संबंधी उद्देश्यों की संक्षेप में चर्चा कर प्रत्येक शिक्षक को शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव की अनुभतांक मापनी दी गई। शिक्षकों को 15 मिनट का समय देकर शोध के दोनों उपकरणों का अध्ययन करने का आग्रह किया गया तद्पश्चात शिक्षकों द्वारा व्यक्त की गई शंकाओं का समाधान कर प्रश्नावली को पूर्ण करने के लिये दो दिनों का समय दिया गया। दो दिनों के पश्चात जाकर पूर्ण किये प्रश्नावली पुस्तिका को वापस ले लिया गया।

तीन शिक्षक किसी कारणों से अनुपस्थित थे जिसके लिये पुनः दूसरे दिन जाकर प्रश्नावली एकत्र की गई।

3.5 प्रयुक्त सांख्यिकी प्रविधियाँ

प्रस्तुत शोध के लिए शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव की अनुमतांक मापनी का सांख्याकीय विश्लेषण करने के लिए मुख्य रूप से मध्यमान, प्रमाण विचलन 'टी' परीक्षण तथा शिक्षकों कि शैक्षिक परिपक्वता एवं कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्य किस प्रकार का सहसंबंध है यह ज्ञात करने के लिए **कार्लपियर्सन** के सहसंबंध गुणांक का उपयोग किया गया।